पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रोहित शेट्टी को फिर मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 104 ■ मंगलवार 30 जून 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

अंबरनाथ में आटो रिक्शा पर गिरा पेड़

- एक वृद्ध प्रवासी जख्मी
- रिक्शा का हुआ नुकसान
- ट्रैफिक हुआ जाम

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में सोमवार दोपहर में एक बड़ा पेड़ आटो रिक्शा पर गिर गया. उस समय रिक्शा में एक वृद्ध प्रवासी था. उनको चोटें आई हैं. लोक नगरी आनंद नगर एमआईडीसी से पहले ये घटना हुई है. रिक्शा का नुकसान हुआ है. अंबरनाथ पूर्व अग्निशमन दल घटना स्थल पर पहुंचा. तब तक लोगों ने रिक्शा में फंसे वृद्ध को बाहर निकाल लिया था. दोपहर एक बजे ये घटना हुई है. उस समय बारिश या तेज हवाएं भी नहीं चल रही थी. लोक नगरी सड़क पर ट्रैफिक जाम हो गया था. अग्निशमन दल के कर्मचारियों ने पेड़ को काट कर सड़क के किनारे किया तब कहीं जा कर ट्रैफिक जाम का मसला हल हुआ. रिक्शा के हुड का पूरी तरह नुकसान हुआ है. रविवार रात में जोरदार हवाओं के साथ बारिश हुई. उसी समय ये पेड़ कमजोर हो गया था. सोमवार दोपहर में ना ही बरसात हो रही थी और ना ही हवा चल रही थी. एक आटो रिक्शा पेड़ की जद में आ गया. ये पेड़ गिरने से ये प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि अंबरनाथ नगर परिषद ने इस बात की जांच करे कि शहर में ऐसे कितने पेड़ हैं, जो खतरनाक हद तक गिरने के करीब हैं. वरना ऐसी दुर्घटनाएं होती रहेंगी. आटो रिक्शा पर पेड़ गिरने से लोग प्रवासी को बचाने के लिए दौड़ पड़े जो कि रिक्शा में ही फंस गया था. अग्निशमन दल के एक कर्मचारी ने बताया कि उनके पहुंचने से पहले ही रिक्शा को बाजू में करके वृद्ध प्रवासी को लोगों ने बाहर निकाला लिया था. आटो का नंबर एमएच 05 सीजी 1676 बताया गया है.

सभापति पद पर महिलाओं का कब्जा

- भाजपा-2 शिवसेना-2 का फार्मूला
- बिनविरोध चुनाव संपन्न
- 2 जुलाई को होगी औपचारिक घोषणा

प्रभाग समिति-1	भावना केशव ओवलेकर	(भाजपा)
प्रभाग समिति-2	संघमित्रा विशाल हजारे	(शिवसेना)
प्रभाग समिति-3	संगीता नितीन सपकाले	(शिवसेना)
प्रभाग समिति-4	सुहाना रवि जेसवानी	(भाजपा)

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका में चार प्रभाग समिति के 2 जुलाई को होने वाले सभापति चुनाव हेतु कल सोमवार 29 जून को नामांकन पत्र भरे गए। नामांकन पत्र भरने के लिए भाजपा-शिवसेना युति के नेता व नगरसेवक एक साथ देखे गए और 50-50 फॉर्मूले के तहत दोनों ही पक्ष के उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। यह चारों प्रभागों के लिए केवल चार ही नामांकन पत्र दाखिल हुए उनके खिलाफ किसी ने भी नामांकन दाखिल नहीं किए जाने से यह चुनाव बिनविरोध ही संपन्न हुए। इसकी घोषणा 2 जुलाई को औपचारिक रूप से की जाएगी।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा प्रभाग समिति-1 से 4 के लिए कल भरे गए नामांकन पत्रों में भाजपा व शिवसेना की महिला उम्मीदवारों ने फॉर्म भरे। जिनमें प्रभाग समिति 1- भावना केशव ओवलेकर (भाजपा), प्रभाग समिति-2 संघमित्रा विशाल हजारे (शिवसेना), प्रभाग समिति-3 संगीता नितीन सपकाले (शिवसेना) तथा प्रभाग समिति- 4 सुहाना रवि जेसवानी (भाजपा) ने नामांकन पत्र दाखिल किया। चार समितियों के सभापति पद पर महिलाओं का बिनविरोध चयन हो चुका है क्योंकि उनके खिलाफ किसी ने भी उम्मीदवारी दर्ज नहीं की है। नामांकन पत्र दाखिल करते हुए शिवसेना के कल्याण जिलाध्यक्ष गोपाल लांडगे, महापौर अश्विनी निकम, सभागृह नेता अरुण आशान, भाजपा गट नेता राजेश वधरिया, शिवसेना नगरसेवक महेश सुखरामानी, स्थायी समिति सभापति कलवंत सिंह बिट्टू, जमनू पुरस्वानी, प्रकाश माखीजा, कमलेश निकम इत्यादि महायुति के नगरसेवक व पदाधिकारी उपस्थित थे। भाजपा व शिवसेना नेताओं ने अपने बयान में कहा कि महायुति के बीच सब ठीक है। शिवसेना नेता गोपाल लांडगे ने कहा कि ये लोग सुबह को लड़ते हैं और रात को एक साथ बैठते हैं।

हज़ारों लीटर पानी बह रहा सीवर में

- महानगर पालिका की लापरवाही उजागर

उल्हासनगर. एक तरफ़ नागरिक पानी की एक-एक बूंद के लिए भटक रहे हैं, तो दूसरी तरफ़ महानगर पालिका की लापरवाही की वजह से लाखों लीटर पानी सीधे सीवर में जा रहा है। उल्हासनगर शहर में पानी की भारी कमी के बीच, प्रशासन के लापरवाह मैनेजमेंट की चौंकाने वाली सच्चाई एक बार फिर सामने आई है। पानी बचाने की अपील करने वाले मनपा के वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट की लापरवाही की वजह से अमूल्य पानी खुलेआम बर्बाद हो रहा है और नागरिकों में इसे लेकर कड़ा गुस्सा है।

उल्हासनगर के कैंप नंबर 2, पैनल नंबर 7 के रामबाई टेकड़ी इलाके में वॉटर सप्लाई चैनल में लीक होने की वजह से हर दिन बड़ी मात्रा में पानी सीधे नाले में बह रहा है। खास बात यह है कि संबंधित अधिकारियों को बार-बार यह जानकारी देने के बाद भी अभी तक कोई ठोस मरम्मत नहीं की गई है, ऐसा स्थानीय नागरिकों का आरोप है।

छत से गिरने से मज़दूर की मौत

उल्हासनगर. उल्हासनगर के लालचक्की इलाके में लापरवाही का एक और शिकार हुआ है। बिल्डिंग की छत पर पतरा बदलने का काम चल रहा था, तभी सेफ्टी के पूरे इंतज़ाम न होने की वजह से 52 साल का एक मज़दूर ऊंचाई से गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस बुरी घटना के बाद विट्ठलवाड़ी - पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यह हादसा शनिवार दोपहर करीब उल्हासनगर-4 के लालचक्की इलाके में वृंदावन सोसायटी में हुआ। देवीदास दामोदर खरात (उम्र 52) अनिल म्हस्के और विजय दलवी के साथ छत पर टूटी चादरें बदलने का काम कर रहे थे। इस समय, बिना किसी सेफ्टी इक्विपमेंट, प्रोटेक्टिव मटीरियल या ज़रूरी सावधानी बरते काम किया जा रहा था, इसलिए छत पर लगी चादर अचानक टूट गई और देवीदास खरात नीचे गिर गए। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में मृतक की पत्नी आशा देवीदास खरात की शिकायत के आधार पर विट्ठलवाड़ी पुलिस ने पदम बडेला (बहादुर) और शिवदास चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

MHB के 192 फ्लैट धारक करेंगे अनशन

- 12 साल से बिल्डर कर रहा परेशान

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड (MHB) की 6 इमारतों को तोड़ने के बाद भी आज तक 192 फ्लैटधारकों को ना ही इमारत निर्माण करके दिया गया और सन 2019 से उन्हें बिल्डर ने किराया भी नहीं देने से इमारत के सैकड़ों रहिवासी सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाकर, नेताओं से शिकायत करके एवं कई बार अनशन करने के बाद अब तक सुनवाई ना होने से अब इमारत निवासियों ने अंबरनाथ तहसीलदार से न्याय की गुहार लगाई है और निवेदन में कहा गया है कि अब वह आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए हैं. 6 जुलाई से उन्होंने अनशन पर बैठने के लिए निवेदन भी दिया है. शहर पश्चिम में महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड की इमारत क्र. 8 से 13 कुल 6 इमारतों का पुनर्विकास प्रकल्प का कार्य बिल्डर मे. क्रिसल बालाजी सिटी बिल्डकॉन प्रा. लि. कंपनी को दिया गया है. सन 2014 से आज 2026 तक फ्लैट धारों को फ्लैट नहीं दिए गए हैं. महाराष्ट्र राज्य के चल रहे अधिवेशन में हमारी आवाज को उठाया जाए. हमको न्याय दिलाया जाए. ऐसा फ्लैट धारकों का कहना है. मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भी पत्र देकर न्याय की लगाई गई है. नायब तहसीलदार दीपक अनारे को निवेदन देते समय प्रज्ञा प्रकाश शिंदे, शिल्पा राजेश तावड़े, जयश्री खैरनार, ज्योति सोही, गणेश ओवाळ आदि उपस्थित थे.

करोड़ों खर्च के बावजूद मनपा स्कूल खाली

- फिर से बनाए गए स्कूलों की मंजिले स्टूडेंट्स की कमी के कारण खाली

उल्हासनगर. मनपा स्कूलों पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद, स्टूडेंट्स की संख्या कम हो रही है। दूसरी ओर, स्टूडेंट्स की संख्या कम होने के कारण फिर से बनाए गए स्कूलों के मंजिल खाली पड़े हैं। वहीं पुरानी स्कूल बिल्डिंग्स से पानी टपक रहा है और खिड़कियां और दरवाजे टूटे हुए हैं। मनपा ने फॉरवर्ड लाइन के पास कैंप नंबर 3, स्कूल नंबर 29, चोपड़ा इलाके में स्कूल नंबर 17, खेमानी इलाके में कैंप नंबर 2, स्कूल नंबर 18 और 24 और विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने इलाके में कैंप नंबर 4, स्कूल नंबर 13 और 14 का पुनर्निर्माण कराया. खेमानी के स्कूल को छोड़कर, बाकी स्कूलों में स्टूडेंट्स की संख्या कम होने के कारण क्लास खाली हैं।

स्कूल की बिल्डिंग्स 60 साल से ज़्यादा पुरानी हैं। वहां छत टपक रही है। दरवाजे और खिड़कियां खराब हालत में हैं। फंड की मंज़ूरी के बावजूद स्कूलों के दोबारा बनने में देरी हुई है।

म्युनिसिपल एजुकेशन बोर्ड के तहत 21 स्कूल हैं। 8 मराठी मीडियम स्कूल, 12 हिंदी मीडियम स्कूल और एक गुजराती मीडियम स्कूल है। स्टूडेंट्स की संख्या 3,600 है। एक समय एजुकेशन बोर्ड के तहत 30 से ज़्यादा स्कूल थे। बच्चों की संख्या 14 हज़ार से ज़्यादा थी।

3 सिंधी मीडियम स्कूल स्टूडेंट्स की संख्या कम होने की वजह से बंद हो गए हैं। सरकार ने म्युनिसिपल स्कूल नंबर 25 के दोबारा बनने को मंज़ूरी दी थी, जिसे आइडियल स्कूल के तौर पर चुना गया था। लेकिन, फंड की मंज़ूरी के बावजूद कई सालों से स्कूल का दोबारा बनना मुमकिन नहीं हो पाया है।

मराठी स्कूल डिजिटल

मराठी स्कूलों को डिजिटल कर दिया गया है, और हर क्लास में एक डिजिटल बोर्ड है। कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने हिंदी मीडियम स्कूलों को डिजिटल करने के संकेत दिए हैं। लेकिन, खरीदे गए डिजिटल बोर्ड की कीमत को लेकर काफ़ी चर्चा हो रही है।

उद्घाटन में देरी

चोपड़ा कोर्ट इलाके के कैंप नंबर 3 में स्कूल नंबर 17 के बगल में एक स्टडी रूम भी बनाया गया था। लेकिन, इसका उद्घाटन नहीं हुआ है।

एजुकेशन बोर्ड चर्चा में

एजुकेशन बोर्ड के उस समय के अधिकारी के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया गया था। एजुकेशन बोर्ड ऑफिस को हेडक्वार्टर से वुडलैंड बिल्डिंग और वुडलैंड बिल्डिंग से कई बार नगर निगम हेडक्वार्टर में शिफ्ट किया गया। अब ऑफिस को फिर से वुडलैंड बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया गया है।

नाला सफाई विवाद में मनपा-पुलिस प्रशासन को पेश होने का आदेश

पोकलेन मामले में 'ह्यूमन राइट्स' का समन

नाबालिग बच्चे कर रहे शहर में नाला सफाई !

- उल्हासनगर मनपा के कार्य की खुली पोल
- बच्चों से कचरा और गाद निकलवाई गई
- पोकलेन मशीन पर खेलते दिखे बच्चे
- शहर में नाला सफाई में लापरवाही

उल्हासनगर, उल्हासनगर महानगरपालिका के नाले की सफाई के काम में एक चौंकाने वाली और शर्मनाक घटना सामने आई है, और मीडिया आरोप लगे हैं कि जानबीलिन बच्चों को एक बड़े नाले में ले जाकर उनसे कचरा और गाद निकलवाई गई। यहीं नहीं, बच्चों को पोकलेन मशीन की बाल्टी पर खेलने का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें बच्चों की सुरक्षा का सरासर उल्लंघन है। इस घटना ने मनपा प्रशासन और ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और एक्शन लेने की मांग जोर पकड़ रही है। उल्हासनगर शहर में मानसून से पहले जहां नाला सफाई अभियान ने जोर पकड़ा है, वहीं उल्हासनगर-1 के गरीब गांधी नगर इलाके में एक बड़े नाले की सफाई के काम में काम मजदूरों से काम कराकर के गंभीर अपराध सामने आए हैं। संबंधित अधिकारियों से तुरंत एक्शन लेने की मांग की गई है। शिकायत के मुताबिक, वार्ड नंबर 3 में नाले की सफाई का काम एक निजी ठेकेदार पोकलेन मशीन की मदद से कर रहा है। लेकिन, यह देखा गया है कि काम के दौरान, नाबालिग बच्चों को सीधे नाले में घुसकर पोकलेन की बाल्टी में बैठकर और कचरा भरने के लिए कहा जा रहा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस तरह के खतरनाक काम में बच्चों की जान को खतरा है क्योंकि वीडियो में पोकलेन ड्राइवर बच्चों की मशीन की बाल्टी पर बिठाकर उन्हें गोल-गोल घुमाता हुआ दिख रहा है। शिकायत में कहा गया है कि यह काम महाराष्ट्र एंड न्यूनिसिपल लेबर (मोलिशिन एंड ट्रेनिंग) एक्ट, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम एक्ट, और ईएमए न्यूनतमिनिमम कोर के कई नियमों का उल्लंघन कराता है। इस मामले में, यह मांग की गई है कि संबंधित कांट्रैक्टर, पोकलेन ड्राइवर और नाले की सफाई के काम से जुड़े जिम्मेदार अधिकारियों को तुरंत समेत कर जांच शुरू की जाए। शहर में नाला सफाई भी ठीक तरीके से नहीं होने के कारण शहर में जलभराव का खतरा बना हुआ है।

उल्हासनगर. महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग ने अब 'नाबालिग बच्चे कर रहे शहर में नाला सफाई' शीर्षक से 'उल्हास विकास' में छपी खबर पर संज्ञान लिया है। आयोग ने खुद से केस दर्ज करके उल्हासनगर मनपा प्रशासन और ठाणे पुलिस कमिश्नर को समन भेजा है और उन्हें 3 अगस्त को आयोग के सामने खुद पेश होने का आदेश दिया है। इस घटनाक्रम से नाले की सफाई में कथित लापरवाही का मामला राज्य स्तर तक पहुंच गया है।

उल्हासनगर कैंप-1 के राजीव गांधी नगर इलाके में नाले की सफाई के काम के दौरान पोकलेन मशीन की बाल्टी में छोटे बच्चों को ले जाते हुए एक वीडियो सामने आया है। इसके बाद उठे विवाद पर महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। खबर के आधार पर आयोग ने खुद से केस दर्ज किया है।

'समन'

कमीशन ने उल्हासनगर मनपा प्रशासन और ठाणे पुलिस कमिश्नर को 3 अगस्त, 2026 को सुबह 11 बजे मुंबई में कमीशन के जस्टिस ए. एम. बदर की कोर्ट नंबर 1 में खुद पेश होने के लिए बुलाया है।

प्रशासन लापरवाह

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, पोकलेन के मालिक के साथ-साथ एडमिनिस्ट्रेशन की भी काफी आलोचना हुई थी। लोगों ने सवाल उठाया था कि क्या एडमिनिस्ट्रेशन ऐसे काम होते समय इस पर ध्यान देता है।

आगे की कार्रवाई

यह कार्रवाई ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन एक्ट के तहत की गई है। कमीशन ने साफ किया है कि संबंधित एजेंसियों द्वारा ज़रूरी कार्रवाई करने में कथित गलतियों के चलते उसने खुद ही इस मामले का संज्ञान लिया है। समन में यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस डिपार्टमेंट तय तारीख पर गैरहाजिर रहते हैं तो कानून के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसलिए, अब पूरे राज्य की नज़र इस बात पर है कि मनपा प्रशासन और पुलिस डिपार्टमेंट इस सेंसिटिव मामले में कमीशन के सामने क्या सफाई पेश करते हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सुरक्षा मानकों की अनदेखी से हो रही मौतें

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि वर्तमान समय में जहां छोटे-छोटे कार्य आधुनिक उपकरणों की मदद से किए जा रहे हैं, वहीं जोखिम भरे साफ-सफाई के काम आज भी परंपरागत तरीके से ही हो रहे हैं। नतीजा यह कि सेप्टिक टैंक और सीवर की सफाई के दौरान जान जाने की घटनाएं आम हो गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके में बीते शुक्रवार को एक ऐसी ही घटना सामने आई, जहां एक कारखाने के सेप्टिक टैंक की सफाई करते वक्त जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई है।

इस घटना ने सुरक्षा मानकों की हो रही अनदेखी को एक बार फिर उजागर कर दिया है। खबरों के मुताबिक इन श्रमिकों को बिना सुरक्षा उपायों के ही सेप्टिक टैंक में उतार दिया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। इससे साफ है कि दिल्ली सहित देश भर में न्यायालय के निर्देशों का गंभीरता से पालन नहीं हो रहा है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट कहा था कि सेप्टिक टैंक और सीवर की हाथ से सफाई पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जानी चाहिए।

यह गंभीर चिंता का विषय है कि सुरक्षा मानकों का पालन करने की सख्त हिदायत के बावजूद एहतियाती उपायों के बिना ही श्रमिकों को सीवर और सेप्टिक टैंक में उतार दिया जाता है। उस समय यह जांच करने की भी जरूरत महसूस नहीं की जाती कि वहां आक्सीजन का स्तर क्या है और कहीं जहरीली गैस का प्रभाव ज्यादा तो नहीं है? ज्यादातर मामलों में श्रमिकों को बचाव के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जाते। यही वजह है कि बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आने पर वर्ष 2023 में शीर्ष अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों से पूछा था कि उसके आदेश का पालन क्यों नहीं हो रहा है।

ऐसे हादसों में जान गंवाने वाले सफाई कर्मियों के परिवारों के लिए मुआवजा राशि को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति मौजूद नही है। जाहिर है कि कागजों में कोई नियम-कानून बना देने भर से व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाता है, इसके लिए उन्हें धरातल पर कड़ाई से लागू करने की जरूरत होती है।

विमर्श

और बढ़ी संतान से संवाद की महत्ता

हाल में ब्रिटिश संसद में ग्रूमिंग गैंग्स को लेकर हुई बहस ने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। बीते दो दशकों में ग्रूमिंग गैंग्स से जुड़े मामलों में ब्रिटेन की हजारों बालिकाएं और किशोरियां यौन शोषण का शिकार हुई हैं। संसद में गृह सचिव ने कहा, 'अपराधियों में पाकिस्तानी मूल के टैक्सी चालक तथा व्यापारी शामिल थे।' ब्रिटेन में ग्रूमिंग गैंग्स को लेकर चल रही बहस भारत के उस काले अध्याय की याद दिलाती है, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था। राजस्थान के अजमेर में 1992 में 11 से 20 आयु वर्ग की 100 से अधिक स्कूली और कालेज छात्राओं के यौन शोषण और ब्लैकमेल का मामला सामने आया था। 2024 में जयपुर की विशेष पाक्सो अदालत ने नफीस चिश्ती, इकबाल भाटी, सलीम चिश्ती, सैयद जमीर हुसैन, नसीम उर्फ तरजान तथा सुहैल गनी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, किंतु 2025 में राजस्थान उच्च न्यायालय ने इनमें से कुछ की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत दे दी।

ऐसी घटनाएं प्रायः एक क्रमिक प्रक्रिया का परिणाम होती हैं, जिसमें पहले विश्वास अर्जित किया जाता है, फिर भावनात्मक निकटता विकसित की जाती है और अंततः केवल विचारों और निर्णयों पर ही नहीं, बल्कि व्यक्ति की देह और स्वतंत्रता पर भी नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। किशोरावस्था जीवन का वह चरण है, जब व्यक्ति अपनी पहचान की खोज में होता है। मनोविज्ञानी एरिक एरिक्सन ने इसे 'पहचान बनाम भूमिका भ्रम' का चरण कहा है। इस

अवस्था में किशोर और किशोरियां यह समझने का प्रयास करते हैं कि वे कौन हैं और दूसरों की दृष्टि में उनकी पहचान क्या है।

स्वीकृति, मित्रता, अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव की आवश्यकता इस आयु में स्वाभाविक रूप से अधिक होती है। यही कारण है कि यदि कोई व्यक्ति योजनाबद्ध ढंग से किसी किशोरी का विश्वास अर्जित करे और उसे विशेष होने का अहसास कराए, तो उसका प्रभाव अपेक्षा से कहीं अधिक गहरा हो सकता है। कई बार किशोरी यह समझ ही नहीं पाती कि जिसे वह प्रेम और अपनापन समझ रही है, वह वास्तव में एक सुनियोजित जाल है, जिसमें भावनात्मक निकटता का उपयोग नियंत्रण और शोषण के साधन के रूप में किया जाता है। आन बोल्बी की 'अटैचमेंट थ्योरी' के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को भावनात्मक सुरक्षा और जुड़ाव की आवश्यकता होती है। जब यह आवश्यकता परिवार, मित्र समूह अथवा सामाजिक परिवेश में पर्याप्त रूप से पूरी नहीं हो पाती, तो व्यक्ति उसकी तलाश अन्य स्रोतों में करने लगता है। यदि प्रत्येक किशोर को भावनात्मक सुरक्षा और जुड़ाव की आवश्यकता होती है, तो प्रश्न है कि इसकी पूर्ति सबसे पहले कहां होनी चाहिए। सामान्यतः इसका उत्तर परिवार है। परिवार केवल आर्थिक या भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली संस्था नहीं है, बल्कि वह भावनात्मक सुरक्षा, संवाद, विश्वास और आत्मीयता का भी प्रमुख स्रोत होता है। जब परिवार और किशोरों के बीच संवाद कमजोर पड़ने लगता है, जब किशोर अपनी भावनाओं, आशंकाओं और अनुभवों को खुलकर साझा नहीं कर पाते, तब भावनात्मक दूरी उत्पन्न होने लगती है। ऐसी परिस्थितियों में कई बार किशोर अपने परिवार के बाहर ऐसे संबंधों की तलाश करने लगते हैं जहां उन्हें सुना जाए, समझा जाए और महत्व दिया जाए। यही कारण है कि किशोरावस्था में परिवार की भूमिका केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह भावनात्मक संतुलन और आत्मविश्वास का आधार भी बन जाती है। समाज कितना भी परिवर्तित क्यों न हो जाए और माता-पिता अपने कार्यों में कितने भी व्यस्त क्यों न हों, बच्चों के प्रति उनका दायित्व सर्वोपरि है। आज संयुक्त परिवारों के स्थान पर छोटे परिवार, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और संवाद के घटते अवसरों ने अनेक किशोरों में भावनात्मक अकेलेपन की भावना को बढ़ाया है। बच्चों को केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि समय, संवाद, विश्वास और उपस्थिति की भी आवश्यकता होती है। जब परिवार अपने बच्चों के भावनात्मक संसार से जुड़ा रहता है, तब अनेक संभावित जोखिमों को प्रारंभिक स्तर पर ही पहचाना और रोका जा सकता है।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दस्तावेजों की कमी से क्या छिन गया मताधिकार?

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की कवायद को शुरू हुए एक साल पूरा हो गया है। वर्तमान में उन्नीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया जारी है। खबरों के मुताबिक, इसके जरिए अब तक करीब छह करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के पात्र नहीं है? या फिर बहुत से लोग आधिकारिक दस्तावेज नहीं जुटा पाने की वजह से अपनी योग्यता साबित नहीं कर पाए? सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन लोगों के नाम सूची से बाहर किए गए हैं, उनका भविष्य क्या होगा।

अगर वे मतदान के हकदार नहीं है, तो उनके दूसरे अधिकारों पर इसका क्या असर पड़ेगा? यह सवाल इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम बंगाल और बिहार में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों के बाद ऐसी खबरें आई हैं कि दोनों राज्यों में संशोधित मतदाता सूची के आंकड़ों को अब सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इससे यह आशंका भी गहरा रही है कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अब सरकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर किया जा सकता है।

सबसे पहले बिहार में पिछले वर्ष

विधानसभा चुनावों से पूर्व एसआइआर की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब विपक्षी दलों ने इसके समय को लेकर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए निर्वाचन आयोग के पास पहले पर्याप्त समय था, इसके बावजूद चुनावों से ठीक पहले इस प्रक्रिया को शुरू करना उचित नहीं है। इसके बाद नागरिकता के प्रमाण को लेकर भी यह प्रक्रिया विवादों में रही।

विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में करीब 10.2 फीसद मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया। सवाल यह भी है कि क्या इन लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए आगे कोई मौका दिया जाएगा, या फिर वे हमेशा के लिए मताधिकार से वंचित हो गए हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची का समय-समय पर संशोधन जरूरी है, ताकि जिनकी मृत्यु हो गई है या जिन्होंने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपना पंजीकरण कराया है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। मगर यह चिंताजनक है कि अभी कुछ राज्यों में ही एसआइआर की प्रक्रिया पूरी हुई है और करीब छह करोड़ लोग मताधिकार से वंचित हो गए हैं, तो देश भर में ऐसे लोगों की संख्या कितनी हो जाएगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

सूची से बाहर किए गए लोगों को अब अपनी नागरिकता की चिंता भी सताने लगी है, क्योंकि उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर होने का खतरा है। ऐसे में उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र व्यक्ति किसी तकनीकी कारण या समय पर दस्तावेज न जुटा पाने की वजह से मताधिकार से वंचित न रह जाए। याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र सही मायने में तभी जिंदा रहता है, जब पात्र नागरिकों के मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे और चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हों।

भारत का वो गांव, जहां संस्कृत में बात करते हैं लोग

जरा हट के

भारत में लोग अपने विचारों के आदान-प्रदान के लिए कई भाषा का प्रयोग करते हैं. एक समय था जब यहां संस्कृत में ही बातचीत की जाती थी. लेकिन समय के साथ संस्कृत को मृत भाषा कहकर कई लोगों ने खारिज कर दिया. लेकिन कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में एक गांव इस धारणा को पूरी तरह गलत साबित कर रहा है. इस गांव का नाम है मत्तूर.

तुंगा नदी के किनारे बसा यह छोटा सा गांव पूरे भारत में 'Sanskrit Village' के नाम से प्रसिद्ध है. यहां के निवासी ना सिर्फ संस्कृत समझते हैं बल्कि अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे बोलते भी हैं. सबसे हैरानी तो इस बात की है कि गांव में खेलते बच्चे भी आपको संस्कृत में बोलते नजर आ जाएंगे.

मत्तूर में दुकानदार ग्राहकों से, किसान खेतों में, पुजारी मंदिर में और पड़ोसी घरों में संस्कृत में ही बात करते हैं. यहां के बच्चे स्कूल में संस्कृत पढ़ते हैं और

खेलते समय भी आपस में संस्कृत में ही बातचीत करते हैं. 'नमस्ते' की जगह 'नमस्कारः' और 'कैसे हो' की जगह 'कथम अस्ति' जैसी बातें यहां आम हैं. मत्तूर के लोग संस्कृत को अपनी मातृभाषा मानते हैं. गांव में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं. स्कूलों में संस्कृत को अनिवार्य विषय बनाया गया है. गांव के बुजुर्ग बच्चों को घर पर भी संस्कृत बोलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं. नतीजतन संस्कृत यहां सिर्फ किताबों या मंदिरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवित भाषा बन गई है.

रोजमर्रा की भाषा है संस्कृत

इस गांव में संस्कृत का प्रयोग डेली लाइफ में किया जाता है. दुकान पर सामान खरीदते समय दुकानदार और ग्राहक संस्कृत में बात करते हैं. पड़ोसियों से गपशप भी संस्कृत में होती है. बच्चों का खेलना और पढ़ना संस्कृत में होता है. और तो और गांव की पंचायत और सामाजिक कार्यक्रम भी संस्कृत में आयोजित होते हैं. मत्तूर की ख्याति पूरे भारत में फैली हुई है. कई भाषाविद् और संस्कृत प्रेमी यहां आकर अध्ययन करते हैं. सरकार और विभिन्न संस्थाएं भी इस गांव को संस्कृत संरक्षण का प्रतीक मानती हैं. कई पर्यटक खास तौर पर यहां आते हैं ताकि जीवित संस्कृत का अनुभव ले सकें.

खाना-खजाना

मशरूम नूडल्स

सामग्री :

- 200 ग्राम नूडल्स
- 300-400 ग्राम मशरूम
- 1/2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1/2 चम्मच कटा हुआ अदरक
- 1 छोटा चम्मच कटी हुई हरी मिर्च
- 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च या सफेद मिर्च
- 1/2 कप कटा हरा प्याज
- 1 से 2 चम्मच अजवाइन
- 2 से 2.5 बड़े चम्मच तेल
- 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस
- 1 चम्मच चावल का सिरका या रेगुलर सिरका
- गार्निश के लिए हरे प्याज के पत्ते
- नमक आवश्यकतानुसार

विधि :

नूडल्स को उबालने से शुरुआत करें और उन्हें एक तरफ रख दें. एक कड़ाही या पैन में तेल गर्म करें. धीमी से मध्यम आंच पर सबसे पहले कटा हुआ लहसुन, कटा हुआ अदरक और कटी हुई

हरी मिर्च डालें. तीखे स्वाद वाले नूडल्स के लिए आप हरी मिर्च की मात्रा बढ़ा सकते हैं. कुछ सेकंड तक भूनें, फिर कटा हुआ हरा प्याज डालें. सफेद और हरा दोनों भाग मिला लें. गार्निश के लिए 2 बड़े चम्मच हरी सब्जियाँ सुरक्षित रखें. हरे प्याज़ को ट्रांसपैरेंट होने तक हिलाते और भूनते रहें. फिर कटे हुए मशरूम डालें. मशरूम को अच्छी तरह से हिलाएं और मध्यम से तेज आंच पर बीच-बीच में हिलाते हुए भूनें. पकाते समय मशरूम पानी छोड़ देंगे. जब तक मशरूम का सारा पानी सूख न जाए और किनारों से हल्का सुनहरा न हो जाए तब तक भूनते रहें. फिर इसमें पिसी हुई काली मिर्च डालें. सोया सॉस डालें और अच्छी तरह मिलाएँ. नूडल्स डालें. आवश्यकतानुसार नमक डालें. नूडल्स को अच्छे से हिलाएं और टॉस करें. चावल का सिरका या नियमित सफेद सिरका मिलाएं. हिलाओ और मिलाओ. आंच बंद कर दें और अंत में कटे हरे प्याज के पत्ते डालें. अंतिम बार हिलाएं और मशरूम नूडल्स को सादे या सूखी वेज मंचूरियन या वेज मंचूरियन ग्रेवी या वेज बॉल्स के साथ गर्म लहसुन की चटनी में परोसें.

पौधों की जड़ों को खोखला कर रही हैं चींटियां?

घर में हरे-भरे पौधे लगाना सभी को बहुत पसंद होता है। ये न सिर्फ बालकनी और छत की खूबसूरती बढ़ाते हैं, बल्कि हमें सुकून भी देते हैं। हालांकि, कई बार हम देखते हैं कि हमारे प्यारे पौधों के गमले में चींटियों ने अपना घर बना लिया है। जी हां, ये धीरे-धीरे मिट्टी के अंदर जाकर पौधों की जड़ों को खोखला करने लगती हैं, जिससे हरा-भरा पौधा अचानक सूखने लगता है और उसकी जान खतरे में पड़ जाती है। बाजार में मिलने वाले केमिकल युक्त कीटनाशक चींटियों को तो मार देते हैं, लेकिन वे आपके नाजुक पौधे को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

दालचीनी का कमाल

चींटियों को दालचीनी की तेज महक बिल्कुल भी पसंद नहीं होती है। यह उनके लिए एक 'लक्ष्मण रेखा' का काम करती है जिसे वे पार नहीं करना चाहतीं। इसका इस्तेमाल बस थोड़ी सी पिसी हुई दालचीनी लें और उसे गमले की मिट्टी के ऊपर चारों तरफ छिड़क दें। इसकी महक से चींटियां तुरंत रास्ता बदल लेंगी।

बची हुई कॉफी

अगर आप फिल्टर कॉफी पीने के शौकीन हैं, तो बची हुई कॉफी का चूरा आपके पौधों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसके लिए, इस्तेमाल की हुई कॉफी को सुखा लें और उसे मिट्टी के ऊपर फैला दें। यह न सिर्फ चींटियों को दूर भगाता है, बल्कि मिट्टी के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक खाद का भी काम करता है।

नींबू या संतरे के छिलके

खट्टे फलों की ताजा खुशबू हमें तो बहुत अच्छी लगती है, लेकिन चींटियां इससे नफरत करती हैं। ऐसे में, आप नींबू या संतरे के छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर पौधे की जड़ों के पास रख दें। आप चाहें तो इन छिलकों को पानी में उबालकर और ठंडा करके उसका स्प्रे भी बना सकते हैं।

सफेद सिरके का स्पे

सफेद सिरके की स्मेल बहुत तेज होती है, जो चींटियों के सूंघने की क्षमता को भटका देती है और वे अपना रास्ता भूल जाती हैं। इसलिए, एक स्प्रे बोतल में आधा पानी और आधा सफेद सिरका मिला लें। अब इस मिश्रण को गमले के आस-पास और मिट्टी पर हल्का सा स्प्रे कर दें।

हल्दी पाउडर का कमाल

हल्दी न सिर्फ हमारी सेहत के लिए अच्छी है, बल्कि पौधों को कीड़ों से बचाने में भी माहिर है। गमले की मिट्टी की हल्की-सी गुड़ाई करें और उसमें एक या दो चम्मच हल्दी पाउडर अच्छी तरह मिला दें। इससे चींटियों के साथ-साथ फंगस जैसी अन्य बीमारियां भी पौधे से कोसों दूर रहेंगी।

ये सभी नुस्खे पूरी तरह से नेचुरल हैं और इनका आपके पौधों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, गमले में पानी तभी डालें जब मिट्टी ऊपर से सूखी लगे, क्योंकि गमले में हमेशा कीचड़ या नमी बने रहने से भी चींटियां और कीड़े जल्दी आते हैं।

आज का राशिफल

मेष : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे।

वृषभ : दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे. व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें।

सिंह : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी। कष्ट संभव है।

कन्या : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं।

तुला : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी। तनाव बने रहेंगे।

वृश्चिक : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें।

धनु : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मकर : यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें।

कुंभ : धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर पर ही आसानी से हटाएं चेहरे के अनचाहे बाल

ये 5 तरीके आएंगे बहुत काम

फॉलो करें टिप्स

चेहर पर बालों की समस्या लगभग हर महिलाओं को होती है. अधिकतर महिलाएं वैक्सिंग और थ्रेडिंग के जरिए इसे क्लीन करवाती हैं. ऐसा करवाने से स्किन जल्दी ढिली पड़ने लगती है. इस जगह आप नैचुरल तरीके को अपनाकर अपने फेशियल हेयर को जड़ से रिमूव कर सकते हैं, लेकिन आपको इसका रिजल्ट तुरंत नहीं मिलेगा. आइए जानते हैं वो 5 तरीके जिससे आप अनचाहे बालों को रिमूव कर सकते हैं

चीनी और नींबू का करें यूज

एक कटोरी में 1 चम्मच चीनी लें इसमें 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं. इस मिश्रण को अपने चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ें और 5-10 मिनट के बाद ठंडे पानी से धो लें. नींबू में विटामिन-C होता है. यह आपके स्किन ब्राइटनिंग के लिए बेहतर है.

हल्दी और दूध का भी कर सकते हैं यूज

1 चम्मच दूध में 1 चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं. पेस्ट को अच्छी तरह से मिला लें और अपने चेहरे पर 20 मिनट तक के लिए लगाएं और धो लें. हल्दी टैनिंग हटाने के लिए बेस्ट है.

खीरा और हल्दी

एक खीरे को कद्दूकस कर लें और उसमें 1 चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं. पेस्ट को अपने चेहरे पर 15 मिनट तक के लिए लगाएं, इसके बाद साफ पानी से धो लें. यह पेस्ट आपकी टैनिंग को भी हटाने में मदद करेगा.

बेसन और दही

1 चम्मच बेसन में 1 चम्मच दही मिलाएं. पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें. इसे धीरे-धीरे रगड़कर छुटाएं. इससे आपके स्किन पर मौजूद छोटे-छोटे बाल भी निकल जाएंगे. ऐसा 1 दिन में नहीं होगा आपको हफ्ते में 2 से 3 बार ऐसा करना होगा.

हरे बेसन और गुलाब जल

1 चम्मच हरे बेसन में 1 चम्मच गुलाब जल मिलाएं. पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और धोने से पहले 10 मिनट के लिए छोड़ दें.

लीची खरीदते समय जरूरी है क्वालिटी चेक करना

लीची में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, कॉपर और पोटेशियम की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है. गर्मियों के मौसम में लीची खाने का मजा ही कुछ और है. लेकिन, अगर आपकी खरीदी हुई लीची खराब निकल आए तो न केवल आपके पैसे बर्बाद होंगे. बल्कि आपका सारा मजा भी किरकिरा हो सकता है. ऐसे में एक किसान राजेंद्र सिंह मेहरा से जानते हैं कि अच्छी लीची में क्या-क्या देखना चाहिए.

बाजार में मिलने वाली किसी भी चीज को खरीदने से पहले उसकी क्वालिटी चेक करना बेहद जरूरी है. अगर आप खराब लीची का सेवन करते हैं, तो आपकी तबीयत बिगड़ने की संभावना भी काफी हद तक बढ़ सकती है. किसान राजेंद्र सिंह मेहरा ने बताया कि लीची खरीदते समय इन चीजों का ध्यान रखा जाना चाहिए.

लीची खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

1- लीची दबाते समय ज्यादा धंसने का मतलब है कि लीची ज्यादा पकी हुई है यानी लीची फ्रेश नहीं है.

2- लीची को सूंघ कर भी लीची की क्वालिटी को चेक कर सकते हैं. फ्रेश और मीठी लीची में से खुशबू आती है. वहीं, पुरानी और खराब लीची में से अजीब सी महक आती है.

3- लीची खरीदते समय उसके रंग का भी ध्यान रखें. लीची के छिलके का रंग लाल होना चाहिए. अगर लीची के छिलके का रंग हरा है, तो इसका मतलब ये है कि उस लीची में टॉक्सिन्स की ज्यादा मात्रा हो सकती है. हरे रंग की लीची को नहीं खरीदना चाहिए.

4- अगर लीची फ्रेश और मीठी है, तो लीची का एक पीस लगभग एक इंच डायमीटर से बड़ा होगा. इस साइज की लीची का टेस्ट वाकई में लाजवाब होता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पुलिस कमिश्नर आवास के पास कराटे टीचर को गोली मारी, दो गिरफ्तार

कानपुर. उत्तर प्रदेश के कानपुर में बदमाशों का दुस्साहस देखने को मिला है। यहां एक कराटे टीचर को गोली मारकर बदमाश भाग निकले। परिवारीजनों की सूचना पर तत्काल पहुंची पुलिस ने घायल कराटे टीचर को आनन-फानन में हैलट अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र के रहने वाले अरविंद पासवान कराटे सिखाते हैं। उनके भाई वीरू ने बताया कि अहिराना ग्वालटोली में रहने वाले अपराधी ने दो दिन पहले भाई से शराब पीने के लिए रुपए मांगे थे। मना करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चला गया था। रविवार देर रात भाई मोहल्ले के बच्चों के साथ क्रिकेट मैच खेल रहे थे। इस दौरान आरोपित दो बाइक से अपने पांच साथियों के साथ आया। भाई ने विरोध जताया तो आरोपितों ने भाई के गोली गोली मार दी।

बेटों ने हाथ पकड़े, बाप ने सीने में चाकू घोंपा; मामूली कहासुनी पर युवक की निर्मम हत्या

बिजनौर. बिजनौर जिले के मंडावर थाना क्षेत्र के कोहरपुर गांव में रविवार सुबह मामूली कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई। विवाद के दौरान पिता और उसके दो बेटों ने 18 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। हमले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि चाकू का ब्लेड युवक के सीने में ही टूट गया। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना से गांव में तनाव का माहौल है और एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। परिजनों के अनुसार, कोहरपुर निवासी बिट्टू (18), पुत्र चरण सिंह, रविवार सुबह करीब नौ बजे अपने चचेरे भाई आशू के साथ गांव की दुकान पर सामान लेने गया था। इसी दौरान रास्ते में उसकी गांव के ही सुलेन्द्र से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सुलेन्द्र ने अपने बेटों अनिल और नीटू के साथ मिलकर बिट्टू पर हमला कर दिया।

लखनऊ में फिर भीषण अग्निकांड

लखनऊ. एक सप्ताह पहले लखनऊ स्थित एविऐशन सेंटर में लगी भीषण आग को लोग भुला भी नहीं पाए थे कि अब एक बार फिर आग ने तांडव मचा दिया। जूते-चप्पल की दुकान में लगी आग ने सबकुछ राख कर दिया। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के मुताबिक, विकास नगर इलाके में महावीर इंटर कॉलेज के सामने स्थित बाजार में दोपहर करीब 12 बजे एक इमारत के भूतल और पहली मंजिल पर संचालित जूते-चप्पल की दुकान में आग लगने की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने एहतियात के तौर पर आसपास की इमारतों को खाली करवाया.

बच्ची का रेप और हत्या करने वाला भीमराव कांबले को फांसी की सजा

■ **फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा**

पुणे. पुणे जिले के नसरपुर में चार साल की नन्ही सी बच्ची से दरिंदगी करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के दोषी भीमराव कांबले को कोर्ट ने सजा सुना दी है. कोर्ट ने आदेश दिया है कि 65 वर्षीय विनोद कांबले को फांसी पर चढ़ाया जाए. सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस जघन्य और घिनौनी वारदात के लिए उम्रकैद की सजा काफी नहीं है. इसके लिए फांसी की सजा भी छोटी होगी, लेकिन कोर्ट के पास देने को इससे बड़ी सजा नहीं.

जानकारी के लिए बता दें कि बच्ची के रेप और मर्डर केस में सोमवार (29 जून) को स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज एसआर सालुंके ने यह सजा सुनाई है. कोर्ट ने फाइनल ऑर्डर में कहा कि दोषी भीमराव कांबले फांसी का पात्र है. कोर्ट ने पूरी सुनवाई में दोषी की बर्बरता का जिक्र किया. हत्या, रेप और पॉक्सो अधिनियम के तहत उसे मृत्युदंड मिला है. फैसला सुनाने के दौरान बच्ची के परिजन कोर्ट में मौजूद थे. जज द्वारा फैसला सुनाए जाने के दौरान बच्ची का परिवार कोर्ट रूम में रोता रहा.

इसी के साथ यह मामला अब तक का सबसे तेज चलने वाली कार्यवाही बना है, जिसमें दो महीने के अंदर मासूम के दरिंदे को पकड़कर उसे सूली चढ़ाने तक का फैसला सुनाया गया.

■ **घर के सामने खेल रही बच्ची को उठाया, बेरहमी से कुचला सिर**

वारदात बीते एक मई की है जब बच्ची नसरपुर में अपने घर के सामने खेल रही थी. तभी भीमराव कांबले वहां आया और बच्ची को उठाकर गौशाला ले गया. वहां उसका रेप किया और मासूम के सिर को पत्थर से कुचल दिया. इसके बाद उसकी बॉडी को गोबर के ढेर के नीचे दबा दिया. दोपहर तक जब परिजनों को बच्ची नहीं मिली तो उसकी तलाश शुरू हुई. इसके बाद बच्ची गौशाला में मृत मिली थी. इलाके में लगे CCTV फुटेज से यह साफ हो गया था कि भीमराव कांबले ही उसे लेकर गया था.

■ **भीमराव कांबले ने मई में की थी बच्ची की हत्या**

गौरतलब है कि इसी साल मई में पुणे जिले के भोर तालुका के नसरपुर में एक 65 साल के आदमी (भीमराव कांबले) ने 4 साल की बच्ची से रेप किया और बेरहमी से उसकी हत्या कर दी थी. तेजी से बढ़ते इस मामले में पुणे कोर्ट ने बीते 25 जून को आरोपी को दोषी ठहराया था और 29 जून को सजा सुनाने की बात कही थी. इसके चार दिन बाद, यानी आज 29 जून को दोषी को फांसी की सजा सुनाई गई है.

■ **दोषी को नहीं था कोई अफसोस**

बीते 25 जून को जब भीमराव कांबले को दोषी करार दिया गया था, उससे पहले जज ने उसे कटघरे में खड़ा किया था. जज ने कांबले से कहा था कि उसने जिस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया है, उसे याद करे और खुद बताए की उसे क्या सजा मिलनी चाहिए. इसपर भीमराव कांबले ने अपने मुंह से पूरी वारदात बताई और यह भी कहा कि उसके हिसाब से उसने कुछ भी गलत नहीं किया था. अदालत ने बीच में ही उसे रोक दिया था. स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एडवोकेट मिलिंद पवार ने कोर्ट में बताया था कि पूरी कार्यवाही के दौरान भीमराव कांबले के अंदर 4 साल की मासूम बच्ची के साथ ऐसी घिनौने वारदात को अंजाम देने का कोई पछतावा नहीं दिखाई दिया था. बच्ची के परिवार के वकील की तरफ से शुरुआत से ही फांसी की सजा की मांग की जा रही थी.

सिया ने केतन से 1 करोड़ लेकर चेतन को दिए

■ **कैब ड्राइवर का दावा- सिया बाली नहीं जाना चाहती थी**

■ **केतन का पासपोर्ट गायब किया**

पुणे. पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सिया ने केतन से शादी की शॉपिंग के नाम पर 1 करोड़ लिए थे। इन पैसों से शॉपिंग नहीं की, बल्कि पूरी रकम प्रेमी चेतन चौधरी को दे दी थी। केतन-सिया की बाली प्री-वेडिंग ट्रिप के लिए 6 जून को उन्हें एयरपोर्ट छोड़ने वाले कैब ड्राइवर वैभव जाधव का बयान सामने आया। उसके मुताबिक सिया बाली नहीं जाना चाहती थी। रास्ते में उसकी अपने भाई साहिल से किसी बात को लेकर बहस हो रही थी।

वैभव ने बताया- कुछ देर बाद गाड़ी एक स्थान पर रुकी, जहां 4 अन्य लोग सवार हुए। बाद में गाड़ी फूड कोर्ट पर रुकी। सभी लोग खाने-पीने चले गए। कुछ देर बाद सिया आई। गाड़ी से कुछ सामान निकालकर अपने बूट में छिपा लिया और वापस चली गई

वैभव ने कहा कि मैंने सभी लोगों को एयरपोर्ट छोड़ा। बाद में कॉल आया कि केतन का पासपोर्ट कैब में छूट गया है। मैं एयरपोर्ट पहुंचा। गाड़ी की सभी ने तलाशी ली, लेकिन गाड़ी में पासपोर्ट नहीं मिला।

■ **सिया के वकील बोले- सिया को कम से कम पुलिस कस्टडी की कोशिश**

सिया गोयल के वकील विपुल दुशिंग ने कहा- मामला अभी शुरुआती चरण में है और फिलहाल किसी नतीजे की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी। फिलहाल हमारी कोई विशेष अपेक्षा नहीं है, क्योंकि मामला अभी शुरुआती दौर में है। हम अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे और उसके बाद जो भी आदेश होगा, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई होगी।

■ **सिया के भाई ने वकील पर लगाए आरोप**

सिया के भाई साहिल ने आरोप लगाया है कि आशुतोष श्रीवास्तव नाम के एक वकील हम पर प्रेशर बना रहे हैं। वह इस केस को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। आशुतोष हमारा केस नहीं लड़ रहे हैं।

मोदी बोले- भारत समुद्र से आकाश तक सुरक्षित

■ **देश में 40 से ज्यादा C-295 विमान बनाए जा रहे**

■ **योग में भारत ने 114 पदक जीते**

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, 'भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए C-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित 'विश्व योगासन चैम्पियनशिप' में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है।

शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूं कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं. कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे. जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे. कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए हैं. मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं.'

तमिलनाडु में गिरने वाली है थलपति विजय की सरकार

■ **स्टालिन ने कर दिया बहुत बड़ा दावा**

चेन्नई. तमिलनाडु में CM थलपति विजय की सरकार को लेकर तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बहुत बड़ा दावा कर दिया है। स्टालिन ने कहा है कि विजय की सरकार जल्द ही गिर सकती है और राज्य में जल्दी चुनाव भी हो सकते हैं। राज्य में बीते महीने आए चुनाव परिणामों के बाद सत्ता से बाहर होने वाली मुख्य विपक्षी दल द्रमुक (DMK) के अध्यक्ष स्टालिन ने रविवार रात एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बातें कही हैं। उन्होंने इस दौरान राज्य में बहुत जल्द मध्यावधि चुनाव होने की भविष्यवाणी भी की।

स्टालिन ने दावा किया कि अभिनेता से नेता बने मुख्यमंत्री विजय की अगुवाई वाली तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) सरकार के पास बहुमत नहीं है और अगले 3 से 6 महीनों के भीतर राज्य में विधानसभा चुनाव दोबारा हो सकते हैं। पार्टी कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए स्टालिन ने टीवीके सरकार के आंकड़ों का गणित भी समझाया।

क्या बोले स्टालिन?

बता दें कि तमिलनाडु की 234 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 118 सीटें चाहिए। हालिया विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके सबसे पार्टी बन कर उभरी थी। लेकिन TVK केवल 108 सीटें ही जीत सकी थी। इसके बाद विजय ने कांग्रेस, IUML और VCK जैसे दलों के समर्थन से सरकार बनाई। स्टालिन ने इन दलों का हवाला देते हुए आगे कहा कि टीवीके सरकार अपने दम पर नहीं, बल्कि द्रमुक गठबंधन के पूर्व सहयोगियों के समर्थन के भरोसे ही चल रही है। उन्होंने कहा, 'चुनाव कभी भी आ सकते हैं। यह जल्द ही हो सकते हैं, तीन महीने बाद या छह महीने बाद आ सकते हैं, क्योंकि मौजूदा सरकार अपने दम पर बहुमत से नहीं जीती है। बहुमत का मतलब 234 सदस्यों वाले सदन में 118 सीटें हासिल करना है, लेकिन उन्होंने हालिया विधानसभा चुनावों में केवल 108 सीटें ही जीतीं।'

कार्यकर्ताओं को तैयार रहने का आदेश

स्टालिन ने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए द्रमुक कैडरों को चुनावी मोड में रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'टीएमसी सरकार का इंजन कहां जाकर रुकेगा, कोई नहीं जानता। चुनाव किसी भी क्षण, किसी भी स्थिति में आ सकते हैं। हमें इसके लिए 100 फीसदी तैयार रहना होगा। आप सभी आज और इसी वक्त से चुनावी तैयारियों में जुट जाएं।'

बंगाल में दंगाइयों की अब खैर नहीं

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की नई शुभेंदु अधिकारी सरकार ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में लोक सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधि नियंत्रण विधेयक, 2026 को भारी बहुमत से पारित करा लिया। इस बिल में असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए बिना मुकदमे के 12 महीने तक एहतियातन हिरासत में रखने का प्रावधान किया गया है।

अयातुल्लाह अली खामेनेई के जनाजे में शामिल होगा भारत

■ **PM मोदी की जगह कौन जाएगा ईरान?**

ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में भारत हिस्सा लेगा। रिपोर्ट्स में इसकी पुष्टि हुई है। जानकारी के मुताबिक भारत की तरफ से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा इस हाई-प्रोफाइल अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ईरान जाएंगे। इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा था।

बता दें कि ईरान के सर्वोच्च नेता रहे अयातुल्लाह अली खामेनेई बीते 28 फरवरी को अमेरिकी और इजरायली हमलों में मारे गए। हालांकि युद्ध की वजह से उनके अंतिम संस्कार को टाल दिया गया था। अब ईरान और अमेरिका के बीच अस्थायी युद्धविराम पर बनी सहमति के बाद आगामी 4 जुलाई को अली खामेनेई का अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस दौरान अली खामेनेई की याद में एक भव्य समारोह का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। वियॉन न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां भारत का प्रतिनिधित्व सैयद अता हसनैन और पबित्र मार्गेरिटा करेंगे।

कूटनीतिक गलियारों में कयास लगाए जा रहे थे कि क्या पीएम मोदी खुद तेहरान जाएंगे, लेकिन अब उनके न जाने की वजह साफ हो गई है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले से तय और बेहद व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल के कारण ईरान की यात्रा नहीं कर पाएंगे।

मल्लिकार्जुन खरगे ने ली राज्यसभा सदस्यता की शपथ

83 की उम्र में दूसरी बार बने RS सांसद

नई दिल्ली. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ले ली है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें अपने चैंबर में शपथ दिलाई। उन्होंने हिंदी में शपथ ली। खरगे हाल में कर्नाटक से संसद के उच्च सदन के लिए लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए हैं। इस मौके पर राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, सदन के नेता जे पी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मौजूद रहीं।

शपथ के बाद खरगे ने कहा कि फिर से राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेना और उच्च सदन में विपक्ष के नेता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना उनके लिए गर्व और बड़ी जिम्मेदारी का विषय है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि वह जनता की चिंताओं, आकांक्षाओं और आवाज़ को पूरी ईमानदारी, दृढ़ विश्वास और संकल्प के साथ उठाते रहेंगे।

उन्होंने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन और उपसभापति हरिवंश के प्रति उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के सांसदों, पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके विश्वास और प्रोत्साहन ने सार्वजनिक जीवन और संसदीय सेवा की उनकी लंबी यात्रा में हमेशा उनका साथ दिया है।

खरगे ने सभी राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं, विशेषकर 'इंडिया' गठबंधन और व्यापक विपक्ष के सहयोग के लिए भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों के बीच और बेहतर समन्वय की उम्मीद है, ताकि सरकार को अधिक जवाबदेह बनाया जा सके। उन्होंने कहा, 'जनता के ज्वलंत मुद्दों को उठाना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है और मैं इस दायित्व का पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करता रहूंगा।'

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष 83 वर्षीय खरगे इससे पहले लोकसभा और कर्नाटक विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं। खरगे ने 1972 में पहली बार कर्नाटक विधानसभा का चुनाव जीता और बाद में लगातार नौ बार विधायक चुने गए। वह कर्नाटक सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे और 1999 से 2004 तक विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। खरगे 2009 और 2014 में कर्नाटक के गुलबर्गा लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हुए।

दीप्ति सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला क्रिकेटर

■ **हरमनप्रीत की विमेंस टी-20 वर्ल्डकप में फास्टेस्ट इंडियन फिफ्टी**

■ **कोहली-अनुष्का मैच देखने पहुंचे**

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराकर विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया। लॉर्ड्स में स्पिनर दीप्ति शर्मा महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भारत की ओर से वर्ल्ड कप की सबसे तेज फिफ्टी लगाई।

स्टेडियम में विराट कोहली व अनुष्का शर्मा भारतीय टीम का हौसला बढ़ाते नजर आए। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज भी पूरा किया। टीम ने 171 रन का टारगेट 19 ओवर में हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने 171 रन का टारगेट हासिल कर विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले सबसे बड़ा चेज 164 रन का था। यह इंग्लैंड ने 2009 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था।

वर्ल्ड कप में अब तक 150+ रन के 8 सफल चेज में से 6 इसी एडीशन में देखने को मिले हैं। वहीं, यह ऑस्ट्रेलिया का महिला टी-20 इंटरनेशनल में दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी रहा।

दीप्ति शर्मा ने महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया। उन्होंने झूलन गोस्वामी को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनके तीनों फॉर्मेट मिलाकर 356 इंटरनेशनल विकेट हो गए हैं, जबकि झूलन गोस्वामी ने अपने करियर में 355 विकेट लिए थे। दीप्ति ने टेस्ट में 22, वनडे में 166 और टी-20 इंटरनेशनल में 168 विकेट हासिल किए हैं।

भारतीय स्पिनर श्री चरणी ने इस टूर्नामेंट में अपना 14वां विकेट लिया। वे महिला टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली दूसरी गेंदबाज बन गई हैं। किसी एक एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की अमेलिया केर के नाम हैं। उन्होंने 2024 में 15 विकेट लिए थे।

हरमनप्रीत कौर ने टी-20 वर्ल्डकप में कप्तान के तौर पर अपना पांचवां 50+ स्कोर बनाया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग और इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

हरमनप्रीत ने सिर्फ 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। यह महिला टी-20 वर्ल्ड कप में किसी भारतीय बल्लेबाज की सबसे तेज फिफ्टी है। उन्होंने अपना ही 2024 का 27 गेंदों वाला रिकॉर्ड तोड़ा।

यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी-20 इंटरनेशनल में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक भी है। इस सूची में वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन (22 गेंद) पहले और इंग्लैंड की सोफिया डंकली (24 गेंद) दूसरे स्थान पर हैं।

'आसमान नहीं टूट पड़ेगा'

■ **अयोध्या चढ़ावा चोरी मामले में CBI जांच की याचिका पर तुरंत सुनवाई से SC का इनकार**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

कोर्ट ने CBI के नेतृत्व में बहु-एजेंसी जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि अगर गर्मी की छुट्टियों के बाद नियमित कामकाज शुरू होने पर सुनवाई होगी, तो आसमान नहीं गिर जाएगा। दरअसल, दो अधिवक्ताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका (PIL) में राम मंदिर में एकत्रित दान निधि से चोरी मामले में सीबीआई और अन्य एजेंसियों द्वारा अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की जा रही जांच से विश्वास पैदा नहीं होता है, और आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण सबूतों को ठीक से संरक्षित नहीं किया जा रहा है।

तत्काल सुनवाई की याचिका खारिज

इस पर न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू की पीठ ने तत्काल सुनवाई की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि इस याचिका पर 12-17 जुलाई के सप्ताह के दौरान सुनवाई की जाएगी।

जिस चावल से भरता है पेट, वही बन रहा धरती का सबसे बड़ा दुश्मन

■ **नई रिसर्च ने दुनिया को किया अलर्ट**

नई दिल्ली. दुनिया भर में अरबों लोगों के लिए चावल सिर्फ रोजाना का भोजन नहीं है, बल्कि खाद्य सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत और लाखों किसानों की आजीविका का अहम आधार है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के करोड़ों लोग इसे अपना मुख्य आहार मानते हैं। लेकिन एक ताजा अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने गंभीर चेतावनी जारी की है कि वर्तमान चावल उत्पादन पद्धतियां पृथ्वी की पर्यावरणीय सहनशक्ति को पार कर चुकी हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि आधुनिक धान की खेती अब ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, मीठे पानी के अत्यधिक दोहन और पोषक तत्व प्रदूषण की सबसे बड़ी वजहों में शामिल हो गई है।

इस अध्ययन का शीर्षक है 'क्या हम अपने ग्रह को नुकसान पहुंचाए बिना चावल का उत्पादन कर सकते हैं?' इसमें प्लेनेटरी बाउंड्रीज फ्रेमवर्क का इस्तेमाल किया गया है, जिसे स्टॉकहोम रेजिलिएंस सेंटर के वैज्ञानिकों ने विकसित किया था। इस ढांचे के अनुसार, मानव गतिविधियां पृथ्वी के नौ प्रमुख पर्यावरणीय आयामों को प्रभावित कर रही हैं। चावल उत्पादन इनमें से कई आयामों, खासकर जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता ह्रास, मीठे पानी का उपयोग और पोषक चक्र पर भारी दबाव डाल रहा है।

चावल पोषण का स्रोत, लेकिन भारी कीमत

वैश्विक आंकड़ों के मुताबिक, चावल दुनिया की कुल कैलोरी जरूरत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है। एशिया महाद्वीप में तो यह 50 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का मुख्य भोजन है। बढ़ती जनसंख्या और बदलते खान-पान की आदतों के कारण चावल की मांग लगातार बढ़ रही है। नतीजतन, बड़े पैमाने पर धान की खेती हो रही है, जिसमें रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक और लगातार सिंचाई का भारी इस्तेमाल हो रहा है।

अध्ययन में आगे कहा गया है कि धान की खेती अब पर्यावरण के लिए 'महंगा सौदा' बन गई है। खासतौर पर बाढ़ वाले खेतों में लगातार पानी भरने से मिट्टी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। इससे एनारोबिक बैक्टीरिया सक्रिय होते हैं और बड़ी मात्रा में मीथेन गैस निकलती है। मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड से 80 गुना अधिक गर्मी रोकने वाली गैस है, जो अल्पकालिक जलवायु परिवर्तन में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।

इसके अलावा, सिंचाई के लिए हर साल अरबों घन मीटर मीठा पानी इस्तेमाल होता है, जो कई इलाकों में भूजल स्तर को तेजी से नीचे ला रहा है। रासायनिक उर्वरकों (नाइट्रोजन और फॉस्फोरस) के अत्यधिक उपयोग से नदियों, झीलों और समुद्र में पोषक तत्वों का रिसाव बढ़ा है, जिसके कारण 'डेड जोन' बन रहे हैं, जहां जलीय जीवन लगभग खत्म हो चुका है।

संक्षेप...

मॉनसून रन में दौड़े 2,000 धावक

ठाणे. कोरम मॉल की तरफ से मॉनसून रन का आयोजन किया गया, जिसमें 2,000 से अधिक फिटनेस प्रेमियों, शौकिया धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह स्पर्धा पिछले 5 वर्षों से लगातार की जा रही है। जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य, फिटनेस और सामुदायिक एकजुटता की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। दौड़ की शुरुआत सुबह 5:30 बजे कोरम मॉल से हुई। इसमें 3 किमी, 5 किमी, 10 किमी और 15 किमी की श्रेणियां शामिल थीं, जिससे विभिन्न आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के प्रतिभागियों को अपनी क्षमता के अनुसार भाग लेने का अवसर मिला। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के लिए जलपान केंद्र, चिकित्सा सहायता और ऑन-ग्राउंड सपोर्ट जैसी सभी व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराई गईं.

भिवंडी में 1 घंटे की बारिश में नाला, गटर सफाई की खुली पोल

- शहर के कई एरिया, दुकानों में भरा पानी
- नाला,गटर सफाई को लेकर मनपा प्रशासन के सभी दावे हवा-हवाई

भिवंडी. पावरलूम नगरी में नाला,गटर सफाई की खातिर करीब 3 करोड़ रुपए ठेकेदारों को टेंडर आवंटन के बावजूद भिवंडी शहर में करीब 1घंटे रुक-रुक कर हुई जोरदार बारिश से शहर स्थित प्रमुख भाजी बाजार, तीन बत्ती सहित कई रामरहीवासी,औद्योगिक एरिया में जलजमाव होने से लोगों को भारी दिक्कत झेलनी पड़ी.बारिश के कारण अनगिनत दुकानों में घुटने तक कीचड़,पानी भरने से दुकानदारों का सारा सामान भीग गया और लोगों को करीब फिट पानी से होकर जाना पड़ा है.नाला,गटर सफाई को लेकर मनपा महापौर नारायण चौधरी के तमाम दावों की पोल मनपा सफाई अधिकारियों की भ्रष्ट कार्यप्रणाली ने खोल कर रख दी है.मनपा सफाई विभाग की लापरवाही को लेकर शहर के नागरिकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है.लोगों की माने तो, 1 घंटे की बारिश में जब शहर की हालत तालाब जैसी हुई तो अत्यधिक बारिश होने पर समूचे भिवंडी शहर का तालाब बनना तय माना जा रहा है. गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा नाला,गटर सफाई का ठेका करीब 3 करोड़ रुपए में 5 प्रभाग समितियों में आवंटित किया है.सूत्रों की माने तो स्वच्छता विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे फैसल तातली खुद करीब 2 प्रभाग में नाला,गटर सफाई के अघोषित ठेकेदार की भूमिका में हैं.लोगों का आरोप है कि,तातली नाला,गटर सफाई कार्यों को अंजाम दिए बगैर बिल भुगतान की फाइल बनाने में माहिर हैं.वे भ्रष्ट तरीके से टॉप से बॉटम तक जनप्रति निधि सहित अधिकारियों को खुश कर बगैर सफाई के ही करोड़ों रुपए डकारने की फिराक में हैं. 1घंटे की हुई बरसात ने तीन बत्ती,मंडई बाजार, मंगल बाजार स्लैब, खंडू पाड़ा,नवी बस्ती,आजमी नगर, देवजी नाका,फेना पाड़ा, म्हाडा कालोनी,गोपाल नगर,खदान मार्ग,घूँघट नगर आदि क्षेत्रों में बेहद कम बारिश में ही भारी जलजमाव होने से लोगों को घुटने तक पानी से होकर गुजरना पड़ा.कुछ एरिया में नाला, गटर से कचरा और गंदा पानी सड़क पर फैलने से लोगों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा.सफाई कार्य ठीक से नहीं होने से शहर में अधिकांश नाला,गटर से कचरा,गंदगी निकलकर सड़क पर फैला हुआ था.

महापौर चौधरी के सभी दावे फेल

भिवंडी मनपा का मेयर पद संभालते ही नारायण चौधरी ने शहर की स्वच्छता, नाला,गटर सफाई को प्राथमिकता करार देते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों,कर्मचारियों को चेतावनी दी थी .महापौर चौधरी का शहरवासियों ने भरोसा किया था कि,बारिश के पूर्व शहर के तमाम नाला,गटर ठीक से साफ हो जाएंगे .आश्चर्यजनक है कि, विगत वर्ष से करीब 1 करोड़ की राशि अत्यधिक खर्च होने के बावजूद शहर के तमाम नालों,गटरों की सफाई करीब 45% से अधिक नहीं हुई .
3 माह पूर्व अंजूरफाटा, धामनकर नाका से कल्याण नाका तक सड़क विस्तारीकरण से निकला मिट्टी, ईंट, पत्थर का ढेर भी मनपा अतिक्रमण विभाग उठाने में असफल रहा है . लोगों की माने तो,आगामी दिनों में अगर मूसलाधार बारिश हुई तो शहर को तालाब में तब्दील होने से भगवान भी नहीं बचा सकता है .

- खुदाई कार्य बारिश में भी शुरू

कल्याण नाका से धामनकर नाका मार्ग स्थित कमला होटल का निर्माणाधीन नाला खुला होने से लोगों का आवागमन करीब 2 माह से बंद होने की वजह से हजारों क्षेत्रवासियों को पीछे भाग से आना जाना मजबूरी है.शहर के अधिकांश एरिया में महानगर गैस द्वारा गैस आपूर्ति हेतु नई पाइपलाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई कर डाली जा रही पाइपलाइन भी बरसात में मुसीबत बन चुकी है.पाइप लाईन बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढों में बारिश का पानी भरकर सड़क पर बहने से लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा ही.आश्चर्यजनक है कि,बरसात शुरू होने के बावजूद महानगर गैस द्वारा सड़क किनारे की जा रही खुदाई मनपा की भ्रष्ट, लापरवाह कार्यप्रणाली को उजागर करने किए काफी है.

मनपा अतिरिक्त आयुक्त छुट्टी पर शहर स्वच्छता से कोसों दूर

बरसात, आपत्ति व्यवस्थापन के एन मौके पर स्वच्छता विभाग संभालने वाली मनपा अतिरिक्त आयुक्त(2) नयना ससाने अकस्मात लंबी छुट्टी पर गई हैं .आपदा प्रबंधन के मौके पर छुट्टी पर जाना प्रशासनिक क्षमता,कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है .लोगों का आरोप है कि,मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे और सहायक आयुक्त फैसल तातली का एकमेव कार्य ठेकेदारों से साठगांठ कर जेब भरना है .शहर में जगह जगह कचरे का ढेर,नाला,गटर से कमोवेश निकाला गया कचरा सड़क की शोभा बढ़ाता दिखाई पड़ता है .मनपा आयुक्त अनमोल सागर सब कुछ जान समझकर भी मूकदर्शक की भूमिका में है जैसे शायद बगैर कोई एक्शन लेने से कोई कार्यक्षमता का विशेष पुरस्कार मिलने वाला है।

ठाणे ज़िला परिषद 1 जुलाई को मनाएगी 'कृषि दिवस'

ठाणे. पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वसंतराव नाईक के अनमोल योगदान की याद में, उनके जन्मदिन 1 जुलाई को हर साल 'कृषि दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। इस साल भी, ज़िला परिषद ठाणे कृषि विभाग और महाराष्ट्र सरकार की तरफ से मंगलवार, 1 जुलाई को सुबह 11 बजे बी. जे. हाई स्कूल, टेंभी नाका, ठाणे में कृषि दिवस कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम में, ज़िले के कृषी सेक्टर में शानदार काम करने वाले प्रोग्रेसिव किसानों, महिला सेल्फ़-हेल्प ग्रुप और फ़ार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों को सम्मानित किया जाएगा। प्रोग्राम का मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में नए एक्सपेरिमेंट करने वाले, मॉडर्न एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी अपनाने वाले और सस्टेनेबल खेती के तरीकों को सम्मानित करके दूसरे किसानों को प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान, एक्सपर्ट लेक्चरर एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, ऑर्गेनिक खेती, वॉटर मैनेजमेंट, एनिमल हस्बैंड्री, एग्रो-प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, फ़ार्मर प्रोड्यूसर कंपनियाँ, क्लाइमेट चेंज और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल जैसे अलग-अलग टॉपिक पर गाइड करेंगे।

केडीएमसी के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लेता एमएमआरडीए

- सड़क विकास कार्यों में यूटिलिटी लाइनें बिछाने का मुद्दा गरमाया
- केडीएमसी की आमसभा में हुई तीखी बहस

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) क्षेत्र में एमएमआरडीए के निधि से सड़क विकास कार्य जारी हैं। हालांकि, सड़क निर्माण के दौरान भूमिगत सेवा वाहिनियां (यूटिलिटी लाइनें) बिछाने की योजना पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप कई स्थानों पर हाल ही में बनी सीमेंट की सड़कों को सेवा वाहिनियां डालने के लिए फिर से खोदना पड़ा। ऐसे में बारिश के मौसम में नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यह मुद्दा भाजपा की नगरसेविका खुशबू चौधरी ने सोमवार को हुई मनपा की आमसभा में उठाया।

इस मुद्दे पर एमएमआरडीए और केडीएमसी के अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि एमएमआरडीए के अधिकारी केडीएमसी के निर्देशों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। नगरसेविका खुशबू चौधरी ने इस मामले में सभा स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए सवाल किया कि सड़क विकास परियोजनाओं का अनुमान (प्राक्कलन) तैयार करते समय सेवा वाहिनियों के कार्य को उसमें शामिल क्यों नहीं किया गया? उन्होंने पूरे मामले की जांच की मांग भी की। भाजपा के नगरसेवक मंदार हल्बे ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण की योजना बनाते समय सेवा वाहिनियों का प्रावधान जानबूझकर नहीं किया जाता, जिसके लिए महापालिका के अधिकारी जिम्मेदार हैं। वहीं भाजपा नगरसेवक दीपेश म्हात्रे ने इस पूरे मामले की एसआईटी जांच कराने की मांग की।

नया काम होते ही खोदी गई सड़क -नीलेश शिंदे

शिवसेना (शिंदे) के नगरसेवक निलेश शिंदे ने कहा कि सीमेंट की सड़कें लगभग 30 वर्षों की आयु को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, लेकिन कुछ ही समय बाद सेवा वाहिनियां बिछाने के लिए उन्हें खोद दिया जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कल्याण-पुणे लिंक रोड के सीमेंटीकरण के बाद एमआईडीसी ने जलवाहिनी डालने के लिए सड़क खोद दी, जिसकी जानकारी महापालिका अधिकारियों को भी नहीं थी। उन्होंने कहा कि महापालिका की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और एमएमआरडीए ने सड़क विकास के लिए निधि उपलब्ध कराई है। इस दौरान उनके और भाजपा नगरसेवक दीपेश म्हात्रे के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

प्रदूषण फैलाने वाले कपड़ा यूनिट के लिए स्वच्छ ईंधन आधारित फ्यूल अनिवार्य

भिवंडी की कपड़ा डाइंग, साइजिंग और प्लास्टिक मोती कारखाना मालिकों में मायूसी

भिवंडी. सपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी द्वारा भिवंडी में भारी प्रदूषण को लेकर विधानसभा में उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए, पशुपालन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभागों की कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि रंगाई इकाइयों को बॉयलर में प्लास्टिक, लकड़ी, भंगार या ठोस कचरे जैसे खतरनाक पदार्थों को जलाने की सख्त मनाही है. स्वच्छ ईंधन की उच्च लागत को लघु इकाइयों के लिए एक बाधा मानते हुए, पर्यावरण विभाग उद्योग विभाग और स्थानीय अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा.

पर्यावरण अनुपालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राज्य के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने

भिवंडी और चंद्रपुर में गंभीर औद्योगिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक व्यापक अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक कार्य योजना की घोषणा की.

भिवंडी क्षेत्र में संचालित 254 कपड़ा-संबंधित उद्योगों में से 74 सुरक्षित 'ग्रीन' श्रेणी में 54 रासायनिक प्रसंस्करण और रंगाई इकाइयां 'ऑरेंज' श्रेणी में वर्गीकृत हैं.राज्य विधानसभा में भिवंडी कपड़ा उद्योग केंद्र में प्रदूषण को लेकर विधायक अबू आसिम आजमी द्वारा उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री मुंडे ने सूत रंगाई इकाइयों के लिए पीएनजी, सीएनजी या एलपीजी जैसे स्वच्छ ईंधनों पर स्विच करना अनिवार्य कर दिया.

कपड़ा उद्योग केंद्र के लिए नीतिगत रूपरेखा में ईंधन प्रतिबंध, वित्तीय सहायता और केंद्र का अवलोकन शामिल है. मंत्री ने बताया कि भिवंडी क्षेत्र में संचालित 254 कपड़ा-संबंधित उद्योगों में से 74 सुरक्षित 'ग्रीन' श्रेणी में आते हैं, जबकि 54 रासायनिक प्रसंस्करण और रंगाई इकाइयां 'ऑरेंज' श्रेणी में वर्गीकृत हैं और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा इनकी कड़ी निगरानी की जा रही है.मुंडे ने दृढ़ आश्वासन दिया कि स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी होने तक कंपनी सभी उत्सर्जन मानदंडों का पालन करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य होगी और किसी भी उल्लंघन के लिए उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. मुंडे ने यह भी आश्वासन दिया कि स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी होने तक कंपनी सभी उत्सर्जन मानदंडों का पालन करने के लिए बाध्य होगी.कपड़ा यूनिट के लिए सरकार द्वारा स्वच्छ ईंधन आधारित फ्यूल अनिवार्य करने की घोषणा से भिवंडी की कपड़ा डाइंग, साइजिंग और प्लास्टिक मोती कारखाना मालिकों में मायूसी फैली है.

ठाणे के कुछ इलाकों में दो दिन तक पानी सप्लाई बंद

ठाणे. मनपा को स्टेम अथॉरिटी से पानी सप्लाई किया जा रहा है और पानी की कमी के संभावित संकट को देखते हुए, वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट, इरिगेशन कलवा, ठाणे ने निर्देश दिए हैं। इसके अनुसार, स्टेम अथॉरिटी ने बताया है कि बुधवार 1/7/2026 सुबह 9 बजे से गुरुवार 2/7/2026 सुबह 9 बजे तक 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रखी जाए। इसके अनुसार स्टेम अथॉरिटी से पानी की सप्लाई बुधवार 01/07/2026 सुबह 9.00 बजे से गुरुवार 02/07/2026 सुबह 9.00 बजे तक बंद रहेगी। हालांकि, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अपना वॉटर सप्लाई प्लान बनाकर ठाणे शहर में धीरे-धीरे पानी की सप्लाई फिर से शुरू करने की योजना बनाई है। घोड़बंदर रोड, पातलीपाड़ा, पवारनगर, कोठारी कंपाउंड, आजादनगर, डोंगरीपाड़ा, वाघबिल, आनंदनगर, कासरवडवली, ओवला, रेतीबंदर, और मुंब्रा के कुछ हिस्सों आदि स्थानों में बुधवार को सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक और समतानगर, रितुपार्क, सिद्धेश्वर, इटरनिटी, जॉनसन, जेल, साकेत, उथलसर, रुस्तमजी, दोस्ती, आकृति, वर्तकनगर (म्हाडा) आदि क्षेत्रों में बुधवार रात 9 बजे से गुरुवार सुबह 9 बजे तक पानी की आपूर्ति बंद रहेगी, ऐसे में चरणों में पानी की आपूर्ति फिर से शुरू की जाएगी।उपरोक्त बंद के कारण, अगले 1 से 2 दिनों तक पानी का दबाव कम रहने की संभावना है। जब तक कि पानी की आपूर्ति बहाल नहीं हो जाती मनपा ने नागरिकों से पानी को ठीक से संग्रहीत करने और मनपा के साथ सहयोग करने की अपील की है।

ठाणे-पालघर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक चुनाव में

नीलेश सांबरे का दबदबा बरकरार

ठाणे. ठाणे और पालघर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक चुनाव में नीलेश सांबरे ने एक बार फिर अपनी राजनीतिक ताकत साबित की और दिखाया कि ठाणे और पालघर दोनों जिलो में उनका मजबूत बेस है।विक्रमगढ़ तहसील में सेवा संस्था चुनाव क्षेत्र से नीलेश सांबरे ने शानदार जीत हासिल की। साथ ही,जिला लेवल के ओबीसी रिज़र्व चुनाव क्षेत्र में भी उन्होंने पुरानी पार्टियों के मजबूत पैनल के खिलाफ बहुत कड़ा मुकाबला किया और अंतर सिर्फ 100 वोटों का था और चर्चा है कि इस नतीजे ने पुरानी पार्टियों के दबदबे के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।पिछले 20 सालों से सामाजिक, स्वास्थ्य,शिक्षा क्षेत्र में अपने लगातार काम की वजह से सांबरे आज ठाणे और पालघर ज़िलों में एक अलग छाप बना लिया है।

रोहित शेट्टी को फिर मिली जान से मारने की धमकी

- फिरौती में मांगे 20 करोड़
- जांच में जुटी पुलिस

बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। कुछ समय पहले डायरेक्टर के मुंबई वाले घर पर फायरिंग की गई थी। जांच में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया था। अब एक बार फिर रोहित शेट्टी से 20 करोड़ की फिरौती की मांग की गई है। धमकाने वाले ने ये भी कहा है कि अगर ये मांग पूरी नहीं की गई तो डायरेक्टर की जान को खतरा है। अब पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

रोहित शेट्टी को जान से मारने की धमकी

रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार, 27 जून को रोहित शेट्टी के मुंबई ऑफिस में एक कॉल आया था। कॉल करने वाले शख्स ने 20 करोड़ रुपए की मांग की। ये भी कहा गया कि अगर पैसा नहीं मिला तो रोहित शेट्टी की जान जा सकती है। रोहित शेट्टी की टीम ने बिना समय बर्बाद किए तुरंत मुंबई पुलिस को इस पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस ने भी मामले की शिकायत दर्ज कर एक्शन लिया है। पुलिस जांच में जुट गई है। कॉल करने वाले शख्स की पहचान का पता लगाया जा रहा है। फोन नंबर ट्रैक किए जाने की कोशिश हो रही है।पुराने मामलों की जांच की जा रही है, पिछली फोन कॉल्स से आवाज और तरीका मैच करने की कोशिश की जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि ये काम लॉरेंस गैंग का ही है। हालांकि, अभी तक किसी ने भी आधिकारिक रूप से धमकी की जिम्मेदारी नहीं ली है।

रईस हाईस्कूल में निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

भिवंडी. केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्त कार्यालय, भिवंडी के तत्वावधान में २५ जून को रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्पर्धा में विद्यालय के कुल ८० विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बारहवीं कक्षा के ४० विद्यार्थियों के बीच चू अशरा खपवळर (मेरे सपनों का भारत) विषय पर अंग्रेजी भाषा में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन रूहीन कुआरी मैडम के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए विकसित, स्वच्छ, समृद्ध, शिक्षित तथा आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को अपने निबंध में अभिव्यक्त किया।

इसी तरह शाकिर शेख और इमरान शेख सर के मार्गदर्शन में आठवीं से दसवीं कक्षा के ४० विद्यार्थियों के दरम्यानमेरे सपनों का भारत विषय पर ही चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशक्ति एवं कलात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए रंगों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सामाजिक समरसता तथा विकसित भारत जैसे विषयों को आकर्षक चित्रों केमाध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर केन्द्रीय वस्तु कर एवं सेवा कर आयुक्तालय भिवंडी के असिस्टेंट कमिश्नर सुनील प्रसाद तथा अधिकारी एवं कर्मचारीगण, प्रिंसिपल जियाउर्रहमान अंसारी, भिवंडी महानगरपालिका स्कूल नंबर ६ २ के मुख्यध्यापक काजी हकीमुद्दीन आदि उपस्थित थे।

TET पेपर लीक मामले में 2 नए नाम सामने आए

ठाणे. शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पेपर लीक मामले में दिल्ली और आगरा के दो और लोगों के नाम सामने आए हैं. भिवंडी पुलिस इनकी तलाश दिल्ली एवं आगरा सहित अन्य शहरों में सरगर्मी से कर रही है. इस बीच, गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों के कॉन्टैक्ट पर्सन, मोबाइल नंबर, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और डिजिटल सबूतों की अच्छी तरह से जांच की जा रही है.

भिवंडी पुलिस ने शनिवार को इस केस में राजीव शाव (उम्र 45, बिहार), आकाश कुमार (उम्र 30, बिहार) और धीरज सिंह (उम्र 28, हरियाणा) को गिरफ्तार किया था. इनमें से राजीव शाव साइंस ग्रेजुएट है और उसका रियल एस्टेट का बिजनेस है. जबकि जांच में पता चला है कि बाकी दो पढ़ाई कर रहे हैं. गिरफ्तार किए गए तीनों से पूछताछ के बाद उनके दो और साथियों के नाम सामने आए हैं.

आम सूचना

मैं श्री मनोज कलूमल पंजवानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 36, बैरक नं. 895, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 33सीओ018928600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सुलोचना शाबदू हसेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.2.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनोज कलूमल पंजवानी

आम सूचना

मैं श्री अशोक भगवानदास गनानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 5, 6, 13 व 14, दूसरा माला, श्री नारायण दर्शन काम्पलेक्स, प्लॉट नं. 6-7, बैरक नं. 464, उल्हासनगर- 2. क्षेत्रफल 540 स्क.फुट (टैक्स नं. 22बीआय018446600) उक्त प्रॉपर्टी श्री अनिल गनानी के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 6.7.2025 सी.नं. 231/8बी द्वारा मैंने मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अशोक भगवानदास गनानी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099